आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 25.03.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा – प्रदेश सरकार, चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए संकल्पबद्ध।
- रुद्रप्रयाग जिले में इक्वाइन इंफ्लूएंजा के चलते केदारनाथ यात्रा के लिए घोड़ा–खच्चरों के पंजीकरण दस दिन के लिए स्थगित।
- विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने विधानभवन देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय संसदीय अध्ययन, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रतीक चिह्न का लोकार्पण किया।
- राजधानी देहरादून में चल रहे इण्डो नेपाल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला और पर्यटन महोत्सव में हस्तशिल्प प्रदर्शनियां, लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हैं।

चारधाम तैयारी

प्रदेश में चार धाम यात्रा के लिए हर स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार चारधाम यात्रा की तैयारी में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा व्यवस्था ने देश–दुनिया के श्रद्धालुओं को आकर्षित किया है और उनका भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चारधाम यात्रा का भरपूर प्रमोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार, तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इस बीच, यात्रा पंजीकरण के लिए तीर्थयात्रियों के जबरदस्त उत्साह को देखते हुए सरकार ने भीड़ प्रबंधन को भी ध्यान में रखते हुए तैयारी शुरू कर दी है। इस वर्ष 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा की शुरुआत हो जाएगी। केदारनाथ धाम के कपाट दो मई और बदरीनाथ धाम के कपाट 4 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। गौरतलब है कि इस माह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल मुखवा और पर्यटन स्थल हर्षिल के दौरे से यात्रा के लिए अच्छा माहौल तैयार हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब चार धाम यात्रा शुरू होने से कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री का उत्तराखंड आना हुआ। भले ही औपचारिक कार्यक्रम शीतकालीन यात्रा को लेकर था, लेकिन प्रधानमंत्री ने चार धाम यात्रा की भी भरपूर ब्रांडिंग की।

घोड़ा–खच्चर पंजीकरण

रुद्रप्रयाग जिले के कुछ गांवों में घोड़ा–खच्चरों के गंभीर श्वसन रोग– इक्वाइन इंफ्लूएंजा की चपेट में आने से केदारनाथ यात्रा के लिए घोड़ा–खच्चरों के पंजीकरण शिविर अगले दस दिनों के लिए स्थगित कर दिए

गए हैं। साथ ही पूरे जिले में घोड़ा–खच्चरों के आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। हमारे रुद्रप्रयाग सहयोगी विनय बहुगुणा ने जानकारी दी है कि बसुकेदार उप तहसील के बीरों, बष्टी, जलई और मद्महेश्वर घाटी के मनसूना में घोड़ा–खच्चर, हॉर्स फ्लू यानी इक्वाइन इंफ्लूएंजा से संक्रमित हो गए हैं। प्रारंभिक सर्वेक्षण में अभी तक इन चारों गांवों में 16 घोड़ा–खच्चर में हॉर्स फ्लू के लक्षण पाए गए हैं। पशुपालन विभाग के चिकित्सक दल ने गांवों में पहुंचकर बीमार घोड़ा–खच्चर का उपचार करने के साथ ही रक्त सैंपल, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान हिसार–हरियाणा भेज दिए हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि दो दिनों में संक्रमण के ये मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि हॉर्स फ्लू से पीड़ित जानवर 20 से 25 दिन में स्वस्थ्य हो जाता है, लेकिन कई बार जानवरों में संक्रमण का प्रभाव लंबे समय तक रहता है। घोड़ा–खच्चरों में यह संक्रमण सांस से फैलता है, इसलिए पूरे जिले में घोड़ा–खच्चरों के आवगामन पर अगले दस दिनों तक पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

<u>सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन</u>

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिला मुख्यालय पौड़ी में ''सुरक्षित दवा, सुरक्षित जीवन अभियान'' चलाया गया। इसके तहत दवा विक्रेताओं के साथ बैठकें भी की जा रही हैं। साथ ही लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान दवा की दुकानों मे लगाये गये सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। इस अभियान के दौरान अनियमितताएं पाये जाने पर जिला मुख्यालय में एक दवा की दुकान सीज की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अकरम अली ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा ड्रग निरीक्षक, खाद्य निरीक्षक और स्वास्थ्य विभाग के साथ संयुक्त दल गठित कर अभियान चलाया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत दवा विक्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

<u>विधानसभा अध्यक्ष</u>

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने आज विधानभवन देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय संसदीय अध्ययन, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रतीक चिह्न का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह संस्थान संसदीय परंपराओं, विधायी शोध और प्रशिक्षण को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि संस्थान का यह प्रतीक चिह्न इसकी पहचान को और सशक्त करेगा तथा इसके उद्देश्य को स्पष्ट रूप से परिलक्षित करेगा। यह प्रतीक चिह्न उत्तराखंड की समृद्ध संसदीय परंपरा, शोध एवं अध्ययन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि यह संस्थान उत्तराखंड और देशभर के विधायकों, शोधकर्ताओं और संसदीय अध्ययन में रुचि रखने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। गौरतलब है कि विधानसभा अध्यक्ष ने पिछले दिनों गैरसैंण के भराड़ीसैंण में शोध संस्थान के मुख्यालय का शुभारंभ किया था।

इंडो नेपाल मेला

राजधानी देहरादून के रेंजर्स ग्राउंड में चल रहे इण्डो नेपाल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला और पर्यटन महोत्सव में पारम्परिक उत्पादों के साथ ही हस्तशिल्प प्रदर्शनियां, लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। बड़ी संख्या में लोग इन उत्पादों की खरीददारी कर रहे हैं। साथ ही मेले में विभिन्न राज्यों के पारम्परिक व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे हैं। पेश है

वहीं, मेले में स्टॉल लगाने वाली नेपाल निवासी हिसिला ने आकाशवाणी से बातचीत में बताया कि वे अपने स्थानीय उत्पादों को बेच रही हैं।

राज्यपाल बैठक

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने राज्य बाल कल्याण परिषद को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक की भूमिका निभाने पर बल दिया है। राज्यपाल की अध्यक्षता में आज राजभवन में परिषद की 16वीं आम सभा की बैठक में राज्यपाल ने परिषद को आज की आवश्यकता के अनुरूप नई योजनाओं को शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य बाल कल्याण परिषद को आर्थिक रूप से मजबूत करने, नई योजनाओं को शामिल करने और परिषद के उद्देश्यों की सही मायने में पूर्ति किए जाने के लिए अभिनव कार्ययोजना तैयार किए जाने की नितान्त आवश्यकता है। राज्यपाल ने बच्चों को आत्मनिर्भर, सशक्त और कुशल बनाए जाने के लिए बाल कल्याण परिषद द्वारा नयी सोच और नए विचारों को अपनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समय की आवश्यकता के अनुरूप योजनाओं को तैयार कर प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाई जाए। बैठक में राज्यपाल ने बाल कल्याण परिषद के वर्ष 2024–25 के अनुमानित आय व व्यय का अनुमोदन करने के साथ ही अन्य बिंदुओं पर अपनी सहमति दी।

स्वच्छता अभियान

चम्पावत जिले में नमामि गंगे योजना के तहत गंडक नदी में सशस्त्र सीमा बल और वन विभाग के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान वन विभाग, एसएसबी पंचम वाहिनी के जवानों और स्कूल व कॉलेजों के छात्रों ने स्वच्छता शपथ ली। साथ ही गंडक नदी और उसके आस–पास के क्षेत्र की सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। एसएसबी पंचम वाहिनी के संजीत सिंह ने बताया कि जिला मुख्यालय के समीप गंडक नदी में वृहद स्वच्छता अभियान चलाकर नदी व उसके आस–पास कूड़ा एकत्रित कर उसका निस्तारण किया गया।